कलीसिया परिशिष्ट 3

(कलीसिया का उत्सव)
नये साल का पर्व: मूल्याँकन तथा समर्पण करने का दिन

परिचय : नये साल का पर्व कई लोगों के लिए महत्वपूर्ण होता है। हम सीखेगें कि मसीह नये वर्ष की शुरूआत को कैसे मना सकते हैं। हम पिछले वर्ष के सम्बन्ध में स्वयं की जांच करने महत्व को सीखेगें। हम नये वर्ष के सम्बन्ध में सही निर्णयों और चुनावों को करने के महत्व को सीखेगें। हम हर एक काम की शुरूआत में परमेश्वर का सम्मिलित करने के महत्व को भी सीखेगें।

भजन 90:10-12 में लिखा है, "हमारी आयु के वर्ष सत्तर तो होते हैं और चाहे बल के कारण अस्सी वर्ष भी हो जाएं तौभी उनका घमण्ड केवल कष्ठ और शोक ही शोक है,वह जल्दी कट जाती है और हम जाते रहते हैं। हम को अपने दिन गिनने की समझ दें कि हम बुद्धिमान हो जाएं।" प्रत्येक नये वर्ष का उत्सव संसार के लोगों को याद दिलाता है कि संसार में उनका समय सीमित है और यह नया साल भी खत्म हो जाएगा। प्रत्येक नया स का उत्सव लोगों के लिए बीते साल का मूल्यांकन करने और आने वाले साल के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णयों को करने का एक महत्वपूर्ण मौका है। पुराने साल के अन्तिम दिन की शाम को एक मसीही परिवार या मित्रों का दल व्यक्तिगत रूप से कुछ महत्वपूर्ण प्रश्नों को सोचते हुए कुछ समय बिता सकते हैं।

बाइबल ही ऐसी पुस्तक है जो सभी महत्वपूर्ण चीजों की शुरूआत के बारे में बताती है। यह प्रकट करती है कि परमेश्वर आदि में था। यह रचे गये जगत, मानवजाति की शुरूआत,परमेश्वर के उद्देश्य की शुरूआत तथा पृथ्वी पर मनुष्य के कार्यों के बारे में बताती है।

लेकिन इसके साथ साथ बाइबल हमें सारी चीजों के अन्त के बारे में भी बताती है। यह यीशु मसीह के दूसरे आगमन पर सारे राष्ट्रों और अधिकारियों के साथ इस दुनिया के अन्त के बारे में भी बताती है। तब यीशु मसीह प्रत्येक व्यक्ति का, जो उस से सम्बन्ध रखता है, उन सब का न्याय करेगा कि उन्होंने किस तरह का जीवन बिताया। इसलिए मसीहियों को याद दिलाया जाता है कि यीशु ही सभी चीज़ो का आदि और अन्त है। उन्हें याद दिलाया जाता है कि हम केवल परमेश्वर के साथ ही अगले वर्ष की शुरूआत कर सकते है और केवल परमेश्वर के साथ ही वे अपने सम्पूर्ण जीवन का अच्छा अन्त कर सकते हैं।इसलिए नये साल का उत्सव मसीहियों के लिए पुराने साल का मूल्यांकन करते हुए अपने जीवन में गलतियों को सही करने का एक मौका है। नये साल का उत्सव नये निर्णयों,और नये चुनावों को करने और मुख्य रूप से अपने सम्पूर्ण जीवनों को जीवित परमेश्वर के हाथ में सौंपने के लिए एक नया सर्मपण करने का मौका भी है।

क.नये वर्ष का उत्सव, स्वयं का मूल्यांकन करने के रूप में

परिचय: आपके बीते साल के मूल्यांकन में सहायता करने के लिए नये साल का उत्सव खुद से कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न पूछने का एक अच्छा अवसर होता है।

1. नये साल का पहला प्रश्न: क्या मैं एक विश्वासी हूँ?

पढ़ें: यूहन्ना 3:16-18,36 यूहन्ना 5:24, यूहन्ना 3:9-10, 2कुरिन्थियों 13:5

खोज व चर्चा करें: अपने आप से पूछा जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न क्या है?

इस नये साल में एक नई शुरूआत करने से पहले आप अपने आप से सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह कर सकते हैं कि "क्या मैं एक मसीही हूँ या नहीं? 2 कुरिन्थियों 13:5 कहता है," अपने आप को परखो कि विश्वास में हो कि नहीं। अपने आप

को जाँचों। क्या तुम अपने आप के विषय में यह नहीं जानते कि यीशु मसीह तुम में है? नहीं तो तुम जाँच में निकम्मे निकलते?"

कई लोग इस नए साल को बिना यीशु मसीह के अर्थात बिना जीवित परमेश्वर के शुरू करेगें। प्रत्येक व्यक्ति जो यीशु मसीह पर विश्वास नहीं करता वह भटका या खोया हुआ है। उसका पाप अभी तक क्षमा नहीं हुआ है, परमेश्वर का क्रोध उस पर बना रहता है और उसे अनन्त काल का दण्ड मिलेगा। हर कोई जो लगातार पाप करता है और सही कामों को नहीं करता या अपने भाई को प्रेम नहीं, वह शैतान की सन्तान है। परन्तु जो परमेश्वर की ओर फिरता, यीशु मसीह में विश्वास करता, वह निश्चय ही दोषी न ठहरेगा और नाश न होगा, लेकिन अनन्त जीवन पाएगा। वह लगातार पाप न करेगा, क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है। वह उचित कामों को करेगा, और अपने भाई से प्रेम रखेगा। और वह जानता है कि वह परमेश्वर की सन्तान है। इसलिए प्रत्येक का खुद अपने आप को जांचना और परखना चाहिए।

विचार करें: यदि आपने कभी भी प्रभु यीशु मसीह को अपने हृदय में उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण नहीं किया है तो अभी ग्रहण करें। निम्नलिखित प्रार्थना को दोहराएं: "हे स्वर्गीय पिता मैं मानता हूँ कि मैं एक पापी और खोया हुआ व्यक्ति हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि क्रूस पर यीशु मसीह मेरे पापों के दण्ड के लिए मारा गया, मैं विश्वास करता हूँ कि वह फिर जीवन उठा और अब राजाओं के राजा के रूप में राज्य करता है। अब मैं मसीह को मेरे पापों को क्षमा करने और मुझे एक नया जीवन देने के लिए मेरे जीवन में बुलाता हूँ, मेरे शिक्षक के रूप में यीशु मसीह से मैं सीखना और प्रभु के रूप में उनकी आज्ञा मानना चाहता हूँ। यीशु मसीह के नाम में मेरी प्रार्थना सुनने के लिए धन्यवाद। आमीन।

2.नये साल का दूसरा प्रश्न: मैंने पिछले साले में कैसे जीवन व्यतीत किया?

पढ़े भजन 139:1-7,23-24,यूहन्ना 8:32

खोज और चर्चा करें: दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न क्या है, जो प्रत्येक व्यकित को खुद से पूछना चाहिए?

दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न है कि, "मैंने बीते साल में किस तरह का जीवन व्यतीत किया?"भजन संहिता 139 एक जांच की प्रार्थना है। दाऊद महसूस करता है कि वह सिद्ध और निष्पाप नहीं है। वह महसूस करता है कि वह हमेशा नहीं जानता कि कौन सी चीज परमेश्वर को दुखित करती है। इसलिए वह परमेश्वर से उसके पापों को दिखाने के लिए कहता है वह प्रार्थना करता है कि

"हे यहोवा ,तू ने मुझे जांच कर जान लिया है। तू मेरा उठना बैठना जानता है;और मेरे विचारों को दूर ही से समझ लेता है। मेरे चलने और लेटने की तू भली भांति छानबीन करता है, और मेरे पूरे चालचलन का भेद जानता है।"

"हे ईश्वर, मुझे जांचकर जान ले। मुझे परखकर मेरी चिन्ताओं को जान ले। और देख कि मुझ में कोई बुरी चाल हैं कि नहीं और अनन्त के मार्ग में मेरी अगुवाई कर।"(भजन 139:1-3;23-24)

विचार करें: डाक्टर मरीज़ की सहायता तभी कर सकता है, जब मरीज़ को मालूम हो कि वह बीमार है। जब तक एक मरीज अपनी बीमारी की वास्तविकता का इनकार करता है तब तक उसे मालूम नहीं होता कि उसे एक डाक्टर की आवश्यकता है। लेकिन जब वह अपने जीवन की वास्तविकता का सामना करता है तो उसे मालूम पड़ता है कि वह बीमार है और उसे सहायता की आवश्यकता है। और तभी डाक्टर उसे होने में मदद भी कर सकते हैं।

इसीलिए यीशु कहते हैं कि" भले चंगों को वैद्य की आवश्यकता नहीं होती परन्तु रोगी को होती है"। मैं धर्मियों को नहीं परन्तु पापियों को पश्चाताप के लिए बुलाने आया हूँ।"(लूका 5:31-32)।जो कोई अपने अधर्म का सामना करता है और यीशु की आवश्यकता को महसूस करता है वह संसार के सबसे उत्तम डॉक्टर यीशु से सहायता और चंगाई पाता है। जो कोई उस पर विश्वास करता है वह अपनी बीती घटनाओं में छुपे हुए डर का सामना करने और गहराई से अपना मूल्यांकन करने में कभी भयभीत नहीं होगा, क्योकि वह जानता है कि चंगाई पाने के लिए सबसे उत्तम और आसान रास्ता यही है। इसलिए इस नये साल की शुरूआत करने से पहले एक महत्वपूर्ण प्रश्न आप खुद से पूछ सकते हैं, वह आपके जीवन में पाप की सम्भावना से जुड़ा प्रश्न है।"क्या मेरे जीवन में कोई ऐसा विशेष पाप है, जिसे मैंने प्रभु यीशु मसीह के सामने स्वीकार नहीं किया है?" क्या कोई ऐसा गुप्त पाप है जिसका मैं गुलाम हूँ?" "क्या मेरा सम्बन्ध किसी के साथ खराब है?" बीते वर्ष को स्मरण करें और बीते वर्ष के दौरान किये हुए अपने व्यवहार,शब्दों और विचारों और स्वभाव और निर्णयों और चुनावों का

मूल्यांकन करें। जब आप जानते या महसूस करते हैं कि आपकी जीवन सहीं नहीं है लेकिन आप नहीं जानते कि गलत क्या है, तो फिर जांच की प्रार्थना के रूप में भजन 139 को प्रार्थना के रूप में दोहराएं। परमेश्वर पहले से ही जानता है कि आपने मन,हृदय और जीवन में क्या छुपा हुआ है लेकिन वह चाहता है कि आप अपने मुंह से इनका अंगीकार करें। परमेश्वर चाहता है कि आप इन सारी चीजों का जाने और मान लें, क्योंकि वह आपको इन सारी चीजों से छुटकारा देना चाहता है। यूहन्ना 8:32 में यीशु ने प्रतिज्ञा की " जब तुम सत्य को जानोगे तो सत्य तुम्हें स्वतन्त्र करेगा।" सत्य आपको आपके सबसे अन्धेरे भाग के स्वभाव से भी स्वतन्त्र कर सकता है।

3.नये साल का तीसरा प्रश्न: "बीते साल के दौरान मैंने क्या उन्नति की है?"

पढ़ें. कुलुस्सियों 2:6,7 1 तीमुथीयुस 4:15-16

खोज और चर्चा करें: तीसरा सबसे महत्वूपर्ण प्रश्न क्या हैं जो कोई जन अपने आप से पूछ सकता है?

अपने आप से पूछा जाने वाला तीसरा सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है कि,"बीते वर्ष में मैंने क्या उन्नति की है?" मनुष्य जीवित प्राणी है और जीवित प्राणी या तो आगे की ओर उन्नति करता या फिर पीछे की ओर खिसकता है। लोगों को लगता है कि वे किसी विशिष्ट समस्य से निपटने के लिए थोड़ी देर तक खड़े हो सकते हैं। लेकिन समस्या से निपटना भी उन्नति करता होता है। केवल निर्जीव वस्तुएं की खड़ी रहती है और एक लम्बे समय तक जैसी हैं वैसी बनी रहती है। प्रेरित पौलुस तीमुथीयुस को उन्नति करने के लिए प्रोत्साहित करता है। वह कहता है इन बातों को सोचता रह और इन्हीं में अपना ध्यान लगाए रह, ताकि तेरी उन्नति सब पर प्रकट हो। अपनी और अपने उपदेश की चौकसी रख, इन बातों पर स्थिर रह, क्योंकि यदि ऐसा करता रहेगा तो तू अपने और अपने सुनने वालों के लिए भी उद्धार का कारण होगा।

विचार करें: इस साल में एक नई शुरूआत करने से पहले एक महत्वपूर्ण प्रश्न जो आप खुद से पूछ सकते हैं वह है कि बीते साल में आपके जीवन में क्या उन्नति की।"मैंने किस हद तक परमेश्वर के लिए जीवन व्यतीत किया"(रोमियों 11:36)"कैसे मैं मसीह में बना रहा(यूहन्ना 15:5)" "एक मसीही व्यक्ति के रूप में मैंने उन्नति की या नहीं(1तीमुथी 4:15)""मैंने अपनी पत्नी और बच्चों से कैसा प्रेम किया(इफि 5:25)?" क्या मैंने अपनो के लिए छः दिन काम किया? मैंने परमेश्वर के काम और परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए किस प्रकार से सहयोग दिया(मत्ती 6:33)?" आनेवाले नये सा के दौरान परमेश्वर चाहता है कि मैं बदलूं या सुधरूँ? और किन क्षेत्रों में बदलाव की जरूरत महसूस होती हैं, सोचने के लिए समय निकालें। बाइबल पढ़ते और प्रार्थना करते हुए, परमेश्वर के साथ मिलकर इन प्रश्नों पर ध्यान दे।

ख. समर्पण के अवसर के रूप में नए साल का त्यौहार

परिचय: जीवन में महत्वपूर्ण निर्णयों और चुनावों को करने के लिए नए साल का उत्सव एक बहुत अच्छा अवसर होता है। कुछ महत्वपूर्ण निर्ण या चुनाव जो आपको करने चाहिए वह निम्नलिखित हैं:

"अगले वर्ष मेरे जीवन की दिशा क्या होगी?""मेरे समय,योग्यताओं,अवसरों और पैसों के साथ मैं क्या करूंगा?" "जीवन में मेरा लक्ष्य और प्राथमिकताएं क्या हैं?" बाइबल में कुछ लोगों के द्वारा किये गये निर्णयों और चुनाओं को देखें। फिर सही निर्णयों और चुनावों को करें।

1. नए साल का पहला निर्णय"मैं अपने जीवन में सही दिखा को अपनाऊँगा।

पढ़ें. यिर्मयाह 6:16 "यहोवा यों भी कहता है सड़को पर खड़े होकर देखो, और पूछो कि प्राचीनकाल का अच्छा मार्ग कौन सा है, उसी में चलो, और तुम अपने अपने मन में चैन पाओगे। उन उन्होंने कहा हम उस पर न चलेंगे।

विचार करें और चर्चा करें। आप कौन सा रास्ता अपनाएंगे? आने वाले नये साल के दौरान आप के जीवन की दिशा क्या होगी?"

इस नये साल में एक नई शुरूआत करने से पहले आपको अपने जीवन की दिशा के बारे में एक महत्वपूर्ण निर्णय और चुनाव लेना चाहिए । प्रत्येक नये साल का उत्सव एक निरछे रास्ते पर खड़े होने जैसा है, जहां आप को दायें या बायें मुड़ने या सीधे जाने या पीछे मुड़ने का निर्णय लेता होता है। आपको निर्णय लेना होता है कि आप परमेश्वर की ओर फिरेगें और उसके मार्ग को अपनाएंगे, जो अच्छा और सही है,या परमेश्वर से दूर होकर गलत मार्ग को अपनाएंगे।

"प्राचीन मार्ग", प्राचीन मार्ग बाइबल के प्रकट किये गये परमेश्वर के मार्ग को दर्शाता है,जो सृष्टि के समय से है। प्रार्थना करें और परमेश्वर से अच्छे और सही मार्ग को दिखाने को कहें। निश्चय ही आप भी कभी न कभी ऐसे चौराहे पर आ सकते हैं।

2. नये वर्ष का दूसरा निर्णय: मैं अपने जीवन में सही व्यक्ति पर भरोसा रखूंगा"।

विचार और चर्चा करें: इस वर्ष के दौरान आप किस पर भरोसा करेगें?

पढ़ें: यिर्मयाह 17:5-10,"यहोवा यो कहता है: स्रापित है वह पुरूष जो मनुष्य पर भरोसा रखता है, और उसका सहारा लेता है, जिसका मन यहोवा से भटक जाता है। वह निर्जल देश के अधमरे पेड़ के समान होगा और कभी भलाई न देखेगा। वह निर्जल और निर्जन तथा लोनछाई भूमि पर बसेगा।"धन्य है वह पुरूष जो यहोवा पर भरोसा रखता है, जिसने परमेश्वर को अपना आधार माना हो। वह उस वृक्ष के समान होगा जो नदी के किनारे लगा हो और उसकी जड़ जल के पास फैली हो; जब धूप होगी तब उसको न लगेगी,उसके पत्ते हरे रहेंगे, और सूखे वर्ष में भी उनके विषय में कुछ चिन्ता न होगी, क्योंकि वह तब भी फलता रहेगा।" जो कोई एक मनुष्य, राजनेता धनवान,सेना, नेता या आत्मिक अगुवा पर भरोसा रखता है, वह मरूभूमि में एक सूखी झाड़ी के समान बन जाएगा। परन्तु जो कोई परमेश्वर पर भरोसा रखता है वह नदी के किनारे लगाये गये एक पेड़ के समान हो जाएगा। किसी भी व्यक्ति के साथ हानिकारक निर्भरता के सम्बन्ध के प्रति परमेश्वर चेतावनी देता है।

पढ़ें, नीतिवचन 23:4-5, मत्ति 6:25-34, जो लोग भौतिक चीजों जैसे पैसा और पदों पर भरोसा रखता है उन्हें मालूम हो जाएगा कि उनको प्राप्त करने का उनका प्रयास व्यर्थ हो जायेगा और धन भी तुरन्त खो जाएगा। लेकिन जो लोग प्रभु पर भरोसा रखते हैं वे लोग अपने सारे समया और मेहनत भौतिक चीजों को प्राप्त करने में नहीं लगाते, वरन पहले परमेश्वर के राज्य और जो चीज़े परमेश्वर की दृष्टि में सही हैं उसे ढूँढ़ते हैं।

पढ़ें: भजन 20 :4-8 जो लोग सेना पर, जैसे घोड़े लड़ाई के रथों, आधुनिक हथियारों पर भरोस रखते हैं, उन्हें मालूम हो जाएगा कि एक दिन वे "घुटनों पर आकर गिर जाएंगे।" परन्तु जो कोई परमेश्वर पर भरोसा रखता है बच जाएगा: परमेश्वर उसकी प्रार्थना का उत्तर देगा:"और वह उठकर स्थिर हो जाएगा"

पढ़ें होशे 4:6, 1 कुरि 1:18-25 लोग जो अपने जीवन के लिए केवल मनुष्य की बुद्धि जैसे वैज्ञानिक या सैद्धान्तिक बुद्धियों पर भरोसा रखते हैं,उन्हें मालूम पड़ जाएगा कि परमेश्वर की दृष्टि में वे मूर्ख बन गये हैं। परन्तु जो कोई परमेश्वर पर और उसके वचन पर भरोसा रखता है बुद्धिमान हो जाएगा। वह तिरस्कृत या नाश न होगा परन्तु बच जाएगा।

पढ़ें भजन 23:1-6 जो लोग परमेश्वर पर अपने चरवाहों के रूप में भरोसा रखते हैं,वे परमेश्वर का सही दिशा में अगुवाई करते,घाटि से होकर गुजरते समय साथ रहकर मृत्यु की धमकी से छुड़ाकर उनके शत्रुओं से बचाते हुए अनुभव करेगें।

3. नये वर्ष का तीसरा निर्णय: मैं अपने जीवन में उन्नति करूंगा"।

विचार और चर्चा करें: इस वर्ष के दौरान आपके जीवन के किन क्षेत्रों में परमेश्वर चाहता है कि आप उन्नति करें?

इस वर्ष में एक नई शुरूआत करने से पहले एक महत्वपूर्ण निर्णय या चुनाव जो आपको करना चाहिए वह है आप अपने जीवन में वास्तविक उन्नति करें। कई लोग केवल अपने स्कूल के वर्षों में ही उन्नति करते हैं। उसके बाद,उनके बाकि जीवन में वे अकसर आगे से ज्यादा पीछे की ओर जाते हैं। प्रभु यीशु मसीह और प्रेरित पौलुस मसीहियों को अपने जीवन भर उन्नति करने की शिक्षा देते हैं।

पढ़े, मत्ती 25:14-30। परमेश्वर ने हर एक को एक से ज्यादा तोड़े दिये हैं। एक तोड़ा वास्तविकता में एक बड़ी रकम होता है। यीशु के दिनों में एक साधारण मजदूर को एक तोड़ा कमाने के लिए बीस साल काम करना पड़ता था। इस दृष्टान्त का विषय यह है कि परमेश्वर के दिये हुए अवसरों को प्रत्येक व्यक्तियों को विश्वासयोग्यता पूर्वक प्रयोग करना चाहिए। वह उसे इस प्रकार से प्रयोग करें कि परमेश्वर की महिमा हो परमेश्वर के राज्य का विस्तार हो और दूसरों को लाभ पहुँचे (मत्ती 25:40)। परमेश्वर लापरवाही को दण्ड देगा, परन्तु परिश्रमी को आशीष।

यद्यपि हर एक को जीवन में अलग मात्रा मे अवसर दिया गया है, तौभी उन्हें परमेश्वर द्वारा दिये गये तोड़े के द्वारा अधिक कमाना है।

पढ़ें, इफिसियों 5:15-17, बुद्धिमान लोग परमेश्वर के साथ चलते हैं और परमेश्वर की इच्छा को समझते हैं। वे उच्च स्तर तक पढ़ने की इच्छा रखते हैं और उसे प्राप्त करने के लिए हर सम्भव प्रयास भी करते हैं। वे अपनी क्षमताओं और अवसरों का उत्तम प्रयोग करते हैं। उन्नति करने के लिए एक व्यक्ति को बुद्धिमान होना चाहिए।

पढ़ें. फिलिप्पियों 3:7-16, पौलुस अपने ही उदाहरण को अनुसरण करने के लिए अपने लक्ष्य की व्याख्या करके फिलिप्पियों को प्रोत्साहित करता है। उसका उद्देश्य मसीह को जानना,मसीह का प्राप्त करना और मसीह के समाना बनना है। वह नैतिक और धार्मिक सिद्धता को प्राप्त करना चाहता है। पौलुस सृष्टि की बुर्निनियाद पड़ने से पहले चुने जाने (इफिसियों 1:4) और उद्धार की निश्चयता पर विश्वास रखता है(2तीमुथीयुस 2:19)। लेकिन वह मनुष्य की जिम्मेदारी के बिना ईश्वरीय उद्धार या मनुष्य के प्रयास के बिना इश्वरीय उद्धार या परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर मनुष्यों के भरोसे के बिना उद्धार की निश्चयता पर विश्वास नहीं करता है। यद्यपि इस संसार में रहते समय तक मसीही जल पूर्ण रूप से शुद्धिकरण नहीं पा सकते। फिर भी उन्हें इसकी ओर बढ़ते रहना चाहिए।

पढ़ें.तीमुथीयुस 4:11-16 पौलुस, तीमुथीयुस को बातों में,जीवन में, प्रेम में, विश्वास में और शुद्धता में उदारहण बनने के लिए उत्साहित करता है। वह उसे लोगों के आगे वचन पढ़ने,प्रचार करने और शिक्षा देने में खुद को अर्पण करने के लिए उत्साहित करता है। और वह उसे खुद के जीवन और शिक्षा के प्रति चौकस रहने को कहता है। जब वह इन बातों में बना रहेगा, तभी लोग उसकी उन्नति को देख पाएंगे।

ग.नये वर्ष का उत्सव परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं का दावा करने का अवसर होता है

परिचय: अपनी इच्छा के अनुसार परमेश्वर ने हमें चुनने और निर्णय करने के लिए एक सीमित आजादी दी है। जिसके लिए वह हमें जिम्मेदार समझता है। उदाहरण के रूप में वह हमे उसकी शिक्षाओं को इनकार करने या विश्वास करने के प्रति जिम्मेदार और जवाबदेह ठहरायेगा। इसी प्रकार से वह हमें उसकी आज्ञाओं को मानने या न मानने के प्रति भी ज़िम्मेदार और ठहरायेगा। परन्तु हमारे जीवन के दूसरे क्षेत्रों में उसने हमें आज़ादी नहीं दी है। उदाहरण के तौर पर, हम अपने जन्म के समय और स्थान को नहीं चुन सकते, और कई बार हम अपनी परिस्थितियों को भी नहीं चुन सकते। परन्तु परमेश्वर ने हमारी परिस्थितियों के प्रति हमारे स्वभाव और प्रतिक्रियाओं को चुनने की आज़ादी दी है!

प्रत्येक नये वर्ष का उत्सव परमेश्वर के प्रति कुछ नये समर्पण काने का एक अच्छा अवसर होता है,खासकर परमेश्वर की इच्छा में समर्पण करने का। परमेश्वर चाहता है कि हम स्वेच्छा और सारे हृदय से बाइबल में प्रकट परमश्वेर की इच्छा के प्रति सर्मपण करें जो उसकी शिक्षा पर विश्वास करने और उसकी आज्ञाओं को मानने के लिए चुनना है। और परमेश्वर चाहता है कि हम विश्वासयोग्यता के साथ खुद को परिस्थितियों में सौंप दें, जिसे परमेश्वर ने हमारे जीवन में अपनी माहानता के अनुसार अनुमति दी है। इसलिए, नये वर्ष के प्रारम्भ में किये जाने वाले सारे निर्णयों और कामों में, सबसे पहले परमेश्वर को शामिल करें।

1. नये वर्ष की पहली प्रतिज्ञा: मैं अपने जीवन में परमेश्वर की उपस्थिति पर निर्भर रहूंगा।

विचार और चर्चा करें: परमेश्वर की उपस्थिति के बारे में बाइबल क्या प्रतिज्ञा करती है।

इस साल में एक नयी शुरूआत करने से पहले एक महत्वपूर्ण समपर्ण जो प्रत्येक मसीही को करना चाहिए वह अपने जीवन में परमेश्वर की उपस्थिति पर निर्भर रहना, खासकर मुश्किलों का सामना करते समय।

पढ़ें: व्यवस्था 1:29-33। परमेश्वर स्वयं अपने लोगों के आगे जाता है और अपने लोगों के लिए लड़ता है। अगले वर्ष के दौरान एक मसीही के रूप में जहां कही भी हमें जाना होगा स्वयं परमेश्वर हमारे साथ और वह हमारे लिए लड़ेगें। वास्तविकता यह है कि परमेश्वर हमसे समस्याओं को दूर नहीं हटाता बल्कि समस्याओं के बीच में हमें सम्भाल कर ले चलता है। जैऐ एक पिता अपने बच्चे को सारी समस्याओं से बचाकर ले चलता है, इसी प्रकार परमेश्वर ही हमें हमारी समस्याओं से तब तक सम्भाले ले चलता है जब तक हम अपने अन्तिम लक्ष्य तक नहीं पहुंच जाते।

पढ़ें. 2 राजा 6:15-17 शत्रुओं ने एलीशा को मारने के लिए पूरे शहर को घेर लिया था। एलीशा का सेवक बहुत ही डर गया। फिर परमेश्वर से उसकी आत्मिक आखें खोल दीं और वह देख पाया कि सारा पर्वत और शहर चारों ओर से अग्निमय घोड़ों और रथों से घिरा हुआ और सुरक्षित है। कई बार हमें बहुत ही मुश्किल परिस्थितियों में प्रवेश करने की अनुमति प्रदान करता है। तब हमें केवल शारीरिक खतरे और शत्रु ही दिखाई देते हैं और परमेश्वर के स्वर्गदूतों की उपस्थिति कोई वास्तविकता नहीं लगती। भजन 34:7 कहता है "उसके भय मानने वालों के चारों ओर परमेश्वर के दूत घेरा लगाये रहते हैं और उन्हें छुड़ाते हैं"। यशायाह 41:10 में, परमेश्वर प्रतिज्ञा करते हैं....."। और यशायाह 43:1-7 में वह प्रतिज्ञा करते हैं..... "।

2.नये साल की दूसरी प्रतिज्ञा : मैं अपने जीवन में परमेश्वर के अनुग्रह पर निर्भर रहूगा।

खोज और चर्चा: परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में बाइबल क्या प्रतिज्ञा करती है?

इस वर्ष में एक नई शुरूवात करने से पहल एक महत्वपूर्ण सर्मपण जो प्रत्येक मसीही को करना चाहिए वह अपने जीवन में परमेश्वर के अनुग्रह पर निभर रहना है।

पढ़ें. प्रकाशित.3:7-8, यह परमेश्वर का अनुग्रह ही है जो प्रत्येक मसीही के लिए द्वार और असवर खोलता है। वह हममें पढ़ने या नाकरी पाने या जीवन साथी पाने इत्यादि का मौका देहा है। वह हमारे लिए दूसरों को यीशु मसीह के बारे मे बताने या उसके राज्य के लिए सेवा करने के लिए द्वार को खोलता है। भले ही दूसरे लोग द्वारों को बन्द करने की कोशिश करें यीशु कहता है,.."जो द्वार मैं खोलता हूँ उसे कोई बन्द नहीं कर सकता और जो मैं बन्द करता हूँ, उसे कोई खोल नहीं सकता।" भले ही संसार के राजनेता, सैनिक,धार्मिक अगुवे, हमारे जीवन में द्वारों को बन्द करने की कोशिश करें,परन्तु वह इसे केवल परमेश्वर के प्रभुत्व की अनुमति से ही कर पाते हैं। कुँजियों को ढोने वाले वे नहीं परन्तु यीशु है। द्वार को बन्द करने वाले वे नहीं, परन्तु यीशु मसीह है जो उन्हें द्वार बन्द करने के लिए अनुमाति देता है। द्वारों को खोलने वाले भी वे नहीं परन्तु यीशु मसीह है जो हमारे लिए अपनी महानता के अनुसार नये द्वारों को खोलता है, जिसे कोई बन्द नहीं कर सकता।

मसीही जन परमेश्वर की महानता और यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं। इसलिए मसीहियों को इस वर्ष के दौरान नये द्वारों और अवसरों को खुलने के लिए परमश्वर के अनुग्रह पर निर्भर होना चाहिये।

पढ़ें। नीतिवचन 27: 1; याकूब 4:13-17। बाइबल चेतावनी देती है कि हम कल जो भी करने जा रहे हैं उनमें घमण्ड नहीं करना चाहिए। कोई नहीं जानता कि कल क्या होगा। कोई नहीं जानता कि कल वह जीवित होगा या नहीं। इसलिए जब एक मसीही कल के लिए या नये वर्ष के लिए योजना बताता है तो वह परमेश्वर पर निर्भर होता है। मसीही कहते हैं"यदि प्रभ की इच्छा हो तो हम जियेगें और इसे करेंगे।

पढ़ें. 2 कुरिन्थियों 12:9, निश्चय ही हर एक मसीही मुश्किलों का सामना करेगा। परन्तु कल या आनेवाले साल के दौरान आप जो भी समस्याओं का सामना करेगें, उसमें परमेश्वर का एक उद्देश्य है। पौलुस सिखाता है जब आप मुश्किलों, बीमारियों या सताव का सामन करते हैं तो आपको परमश्वर के अनुग्रह पर निर्भर रहना चाहिए। परमेश्वर ने पौलुस की कठिनाइयों को दूर नहीं हटाया बल्कि इसके बदले उससे कहा कि "मेरा अनुग्रह तेरे लिए काफी है, क्योंकि मेर बल दुर्बलता में प्रबल होता है"। इसलिए नये साल के दौरान जब आप कठिनाईयों बिमारियों और सतावटों का सामना करते हैं, तब परमेश्वर के अनुग्रह पर आपको निर्भर रहना चाहिए। परमेश्वर आपकी कठिनाईयों बिमारियों या सतावटों को आपको और भी अधिक मसीह के समान और प्रभावशाली बनने के लिए प्रयोग करेगा।

3. नये वर्ष की तीसरी प्रतिज्ञा: मैं अपने जीवन में परमेश्वर की विजय पर निर्भर रहूंगा।

खोजें और चर्चा करें: " परमेश्वर की विजय के बारे में बाइबल क्या प्रतिज्ञा करती है।

इस वर्ष में एक नयी शुरूआत करने से पहले एक महत्वपूर्ण समर्पण जो प्रत्येक मसीह को करना चाहिए, वह अपने जीवन में परमेश्वर के विषय पर निर्भर रहना है। जब लोग अखबार पढ़ते या रेडियों पर खबरों को सुनाते हैं तो वे अक्सर बुरी खबरो को सुनते हैं। एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र के विरूद्ध लड़ाई करता है,लोग झूठ बोलते हैं चोरी,बलात्कार और हत्या करते हैं। कुछ व्यापारी और राजनेता भ्रष्ट होते हैं। कुछ पुलिसवाले और न्यायधीश गरीबों और असहाय लोगों का बचाव नहीं करते, बलिक जो उन्हें घूस देते हैं, उनका ही पक्ष लेते हैं। परन्तु जो बाइबल पढ़ते हैं वे हमेशा अच्छी खबरों को सुनाते हैं।

पढ़ें. रोमियों 8:28-39, परमेश्वर सिखाता है कि अन्तिक विजय परमेश्वर के लोगों की होती है, दुष्ट और भ्रष्ट लोगों की नहीं ।यह कहता है "यदि परमेश्वर हमारी ओर हैं तो हमारे विरोध में कौन हो सकता है? मसीह के प्रेम से हमें कौन अलग कर सकता है? क्या संकट उपद्रव या अकाल या नंगाई या सतावट या जोखिम या तलवार? नहीं इन सारी बातों में हम जयवन्त से भी बढ़कर हैं। भले ही नये साले के दौराने मसीहियों के साथ कुछ भी हो परन्तु वे जानते हैं कि वे परमेश्वर की अन्तिम विजय में शामिल होगें।

पढ़ें. मत्ति 13:41,प्रेरित 3:21,प्रकाशित.21:27, इस संसार में जो भी होता है, वह अन्त नहीं है। परन्तु इस वर्तमान टूटी हुई दुनिया का अन्त यीशु मसीह का दूसरा आगमन, मृत्यु से पुनरूत्थान, अन्तिम न्याय और दुष्टों का दण्ड और स्वर्ग और पृथ्वी का नवीनीकरण है जिसमें धर्मी वास करेगें। इसलिए जब आप इस नये वर्ष की शुरूआत करते हैं तो इस संसार पर वर्ष के अन्त में मिलने वाली अन्तिम विजय पर निर्भर करें। वह अन्त आपके मरने या यीशु मसीह वापस आने पर आता है।